# झोलाछाप मौत की दुकानें चलाने वालों पर इतनी मेहरबानी क्यों और कब तक?

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। मध्यप्रदेश स्वास्थ्य मंत्रालय के लिखित आदेश को दरकिनार कर पन्ना जिला स्वास्थ्य एंव चिकित्सक विभाग अपने मन के हिसाब से काम कर रहा है। शहर समेत जिले भर मे मौत की दुकान चलाने वाले झोलाछाप डॉक्टरों पर कितनी बड़ी मेहरबानी की जा रही है इसकी जानकारी देने की जरूरत नहीं है।**

गली गली मे खुली मौत की दुकानों को राहत देना सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है। जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में कस्बाई इलाकों में एवं तहसील मुख्यालयों में खुलेआम नियम विरूद्ध झोलाछाप डॉक्टरों मौत रूपी दुकानें स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासनिक संरक्षण चला रहे हैं जिनके बारे में व्यापक कमीशन खोरी की चर्चाएं व्याप्त हैं। यही कारण हैं कि अधिकारियों के लिये यह लाभ का धंधा भले ही लोगों के लिए जानलेवा हो लेकिन वे रोकटोक के फलफूल रहा है।

**लोगों की जिंदगी से हो रहा खिलवाड:-** गौरतलब है कि शहर समेत जिले में संचालित हो रही अवैध क्लीनिक झोलाछाप डॉक्टरों की दुकाने आम जनता की सेहत के साथ जहां खिलवाड़ कर रहे हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग भी अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से नही निभा रहा। जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की निगरानी मे आम जनता का स्वास्थ्य कितना सुरक्षित है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा रहा है कि झोलाछाप डॉक्टरों पर लगातार मेहरबानी बनी हुई है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर अप्रशिक्षित व बगैर लाइसेंस के झोलाछाप डॉक्टरों को राहत क्यों दी जा रही है।

**नाक के नीचे हो रहा गुनाह:-** यहां पर बता दे कि जिला स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी समूचे जिले की है लेकिन सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि जिला मुख्यालय में ही कई झोलाछाप बेखौफ होकर अपनी दुकानें चला रहे हैं। जब भी निरीक्षण की बात की जाती है तो जिम्मेदार अधिकारी घुमा फिराकर जबाव देकर पल्ला झाड़ लेते हैं जबकि सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि कक्षा 8 वीं 10 वीं पास होकर पैसे से डिप्लोमा लिया और एमबीबीएस बन गये।

**ड्रिप से लेकर महंगी दवाईयों तक:-** ऐसे कई मामले प्रकाश में आ चुके हैं कि झोलाछाप डॉक्टर अपनी दुकान में पैथालॉजी मेडिकल स्टोर व बोतल चढ़ाने की व्यवस्था बनाए रखता है जिससे कई रोगियों से गंभीर हालत मे मोटी रकम ऐठी जाती है। इसके लिए कुछ झोलाछाप डॉक्टरों के दलाल भी सक्रिय रहते हैं। कई बार मामला बिगड़ने पर यही दलाल पुलिस थाने मे सांठगांठ बनाकर मामले को रफा दफा करते हैं इसीलिए आज तक एक भी झोलाछाप डॉक्टर सलाखों के पीछे नहीं गया।

**महीने मे लाखों की वसूली:-** सूत्रों द्वारा जुटाई गई जानकारी के अनुसार शहर समेत जिले भर में तकरीबन पांच हजार से ज्यादा झोलाछाप डॉक्टरों की दुकानदारी चल रही है। इसमें सभी का हिस्सा बंधा हुआ है। संबंधित थाने से लेकर सीएमएचओ कार्यालय तक महीने की रकम पहुंच जाती है।

## हादसों के बाद नहीं जागे जिम्मेदार

उल्लेखनीय है कि झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में सबसे गरीब तबका अपना इलाज कराने पहुंच जाता है क्योंकि सरकारी अस्पतालों में न तो डॉक्टर मिलता और न ही दवा उपलब्ध हो पाती और प्राइवेट इलाज कराने की हिम्मत नहीं जुटा पाते क्योंकि आर्थिक तंगी होने से जरूरतमंद मरीज महंगा इलाज नहीं करा सकते। इसीलिए गली कूचों में मौत की दुकान चलाने वाले झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज कराते हैं। सच्चाई यह है कि जब मरीज अंतिम स्टेज पर आ जाता है तब मौत के लिए बड़ी अस्पताल की सलाह दे देते हैं।

## झोले के दम पर लाखों की दुकानदारी

झोलाछाप डॉक्टरों की आमदनी के बारे मे बताने की जरूरत नहीं है। यह जानकर हैरानी होगी कि एक झोलाछाप डॉक्टर अपने 20 साल के कैरियर मे एक करोड का आसामी हो जाता है। झोलाछाप डॉक्टरों के बच्चे महंगे स्कूलों मे पढ़ते हैं यहां तक कि कुछ झोलाछाप डॉक्टरों के बच्चे विदेशी मे पढ़कर खर्चा वहन कर रहे हैं। चार पहिया वाहन आलीशान मकान यह भी झोलाछाप डॉक्टरों के पास मौजूद है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि झोलाछाप डॉक्टर एमबीबीएस डॉक्टर की बराबरी कर रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि जिन झोलाछाप डॉक्टरों की दुकानदारी जम गई है वह एक दिन में सैंकड़ा से ज्यादा रोगियों का इलाज करता है।

## अतिवृष्टि से धान की फसल चैपट

**पन्ना 4 नवंबर।** विगत दिनों पन्ना जिले में हुई अतिवृष्टि से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। देवेंद्रनगर क्षेत्र में खेतों में खड़ी धान की फसल पूरी तरह चैपट हो गई है। लगातार हुई बारिश से खेतों में पानी भरे रहने के कारण धान की बालियाँ गिर गईं, जिनमें अंकुरण हो जाने से दाना काला पड़ गया और 'कंडवा रोग' फैलने से फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। इस गंभीर स्थिति को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवेंद्रनगर ने किसानों के साथ मिलकर कलेक्टर पन्ना के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति का तत्काल सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की गई। किसानों का कहना है कि पहले ही समय पर खाद और बीज उपलब्ध न होने से वे परेशान थे, और अब अतिवृष्टि ने उनकी सालभर की मेहनत पर पानी फेर दिया है। किसान मायूस हैं और सरकार से तत्काल राहत की उम्मीद लगाए बैठे हैं। किसानों के हितों की बात करने वाली सरकार को अब यह साबित करना होगा कि वह सचमुच किसानों के साथ है।

# कलेक्टर ने कन्या छात्रावास का किया औचक निरीक्षण

## अधीक्षिका कृष्णा सोनी को हटाया

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। कलेक्टर ऊषा परमार ने गत सोमवार की रात्रि में शासकीय अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास पन्ना का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।**

इस दौरान छात्रावास परिसर, शौचालय एवं बाथरूम में गंदगी पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और छात्राओं द्वारा समक्ष में की गई शिकायत के आधार पर एवं छात्रावास अधीक्षिका कृष्णा सोनी द्वारा संतुष्टिपूर्ण उत्तर नहीं देने पर अधीक्षिका को छात्रावास के दायित्व से पृथक कर शासकीय जनजातीय बालक आश्रम धनगढ़ में शैक्षणिक कार्य के लिए पदस्थ किया गया। शासकीय अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास क्रमांक 5 पन्ना की अधीक्षिका वंदना पटेरिया को आगामी आदेश तक छात्रावास का प्रभार सौंपा गया है। जिला कलेक्टर ने छात्रावास में निवासरत छात्राओं के साथ संवाद कर शैक्षणिक एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों की जानकारी भी ली।

# 5100 दीपों की अलौकिक छटा में नहाया सूंघा बाबा महाराज का मंदिर

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। ग्राम पंचायत बड़वारा अंतर्गत स्थित सूंघा बाबा महाराज के मंदिर में देवउठनी एकादशी के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।**

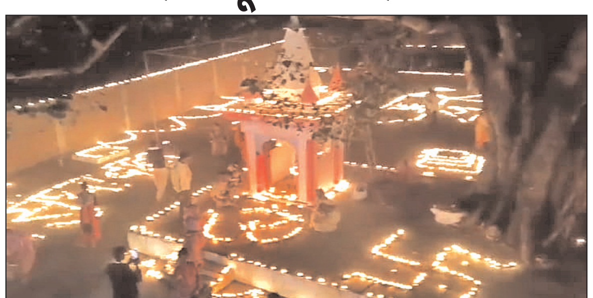

अयोध्या की तर्ज पर रामभक्त मंडल एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा दीपोत्सव कार्यक्रम के तहत रात्रि 8 बजे मंदिर परिसर में 5100 दीपों का प्रज्वलन किया गया, जिससे सम्पूर्ण परिसर दीपमालाओं की दिव्य रोशनी से जगमगा उठा। इस अनुपम दृश्य को देखने के लिए बड़वारा के साथ-साथ देवेंद्रनगर, नुनाही और राजापुर सहित आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। बड़वारा ग्राम में स्थित यह पवित्र स्थल देवेंद्रनगर तहसील मुख्यालय से लगभग 3 किलोमीटर दूर है। यहाँ शेषनाग अवतारी लक्ष्मण जी का दुर्लभ मंदिर है, साथ ही भगवान शिव और हनुमान जी के मंदिर भी स्थित हैं। ग्राम के कुलदेवता के रूप में पूजित सूंघा बाबा महाराज के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा है।

स्थानीय पुजारी पंडित पुनीत जी ने बताया कि सूंघा बाबा का यह मंदिर अत्यंत प्राचीन है। मान्यता है कि यहां सदियों पहले एक महान संत ने कठोर तपस्या की थी, और यही स्थान लक्ष्मण जी की मूर्ति का भारत का प्रथम मंदिर माना जाता है। ऐसा विश्वास है कि जो भी श्रद्धालु यहां मनोकामना लेकर अर्जी लगाते हैं और मंदिर की पाँच परिक्रमा करते हैं, उनकी हर इच्छा पूर्ण होती है। यह भी कहा जाता है कि संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले दंपती और भूत-प्रेत बाधा से मुक्ति चाहने वाले श्रद्धालु यहां आकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

# बदहाली के शिकंजे में बस स्टैण्ड, ऑटो एवं हाथ ठेला ने बिगाड़ी व्यवस्था

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। बस स्टैण्ड और उसके आसपास के इलाकों में लंबे अर्से से व्याप्त अव्यवस्थाओं के कारण मुसाफिरों को तमाम किश्म की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अनियंत्रित यातायात और हर तरफ अतिक्रमण की भरमार के कारण यात्रियों और नागरिकों को जहां भारी असुविधाओं का भारी सामना करना पड़ रहा है वहीं बस स्टैण्ड क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है।**

जिला प्रशासन ने रोजाना तकलीफों से दो चार होने वाले हजारों मुसाफिरों और नागरिकों को राहत पहुंचाने की दिशा में फिलहाल कोई सार्थक कदम नहीं उठाए है। बस स्टैण्ड में बद इंतजामियों की हालत एक सी है। बस स्टैण्ड क्षेत्र में बस चालक निर्भय होकर अव्यवस्थित ढंग से यात्री बसों को रोजाना खड़ा करते है। बस स्टैण्ड पर स्थित विभिन्न दुकानों के आसपास सामान फैलाकर दुकान संचालकों ने अतिक्रमण कर रखा है। फल-मूंगफली तथा ऐसी ही विभिन्न सामग्रियों को हाथ ठेलों पर बेचने वाले भी अपने हाथ ठेले को अपनी मर्जी के मुताबिक बस स्टेण्ड क्षेत्र में कही भी आड़ा तिरछा कर देते है। ऑटो के लिए स्थान निर्धारित है लेकिन कोई भी बस जैसी आती है तो उस बस को यात्री उतरने के पूर्व ही तेज गति से जाकर ऑटो घेर लेते हैं। जिस कारण अफरा तफरी मच जाती है। ऐसी हालत में बस स्टैण्ड में यात्रियों को रोजाना भारी मुसीबतों का सामना करना पड़त रहा है। बस स्टैण्ड स्थित मुसाफिर खाने भी अतिक्रमण की चपेट में है। यहां मनिहारी की दुकानें लगाने वालों में अतिक्रमण कर रखा है जिसकी वजह से यात्रियों को बैठने के लिए समुचित स्थान नहीं मिल पाता। बस स्टैण्ड क्षेत्र में सफाई व्यवस्था भी बदहाली की शिकार है। मुसाफिर खाने तकरीबन रोजाना गंदगी से पटे पड़े रहते है। बस स्टैण्ड और आसपास के क्षेत्र में रोजाना स्वछंद विचरण करने वाले आवारा पशु भी न सिर्फ मुसाफिरों के आवागमन में समस्या बने हुए है। आवारा पशुओं के हमले में अक्सर यात्री और नागरिक जख्मीं भी होते रहते है। शराब के नशे में अक्सर असमाजिक तत्व बस स्टैण्ड क्षेत्र पर यात्रियों के साथ बदसलूकी करते रहते है। रात के वक्त असमाजिक तत्व अक्सर महिला यात्रियों के साथ छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते। बस स्टैण्ड के मार्ग वाले इलाकों को आटो रिक्शे वालों ने अपना स्टैण्ड बना रखा है। वहां खडे आटो सुबह से रात तक अव्यवस्था फैलाते रहते है। बस स्टेण्ड के सड़क किनारे सजी सब्जी की दुकानें और आड़े तिरछे ढंग से खड़े रहने वाले रिक्शे लंबे अर्से से लोगों की परेशानियों का सबब बने हुए हैं बस स्टैण्ड क्षेत्र में सुलभ काम्पलेक्स भी बदहाली का शिकार है। यहां व्याप्त गंदगी से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

# निर्माण विभाग रायल्टी के नाम पर शासन को पहुंचा रहा करोड़ों की क्षति

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। निर्माण विभगों में ठेकेदारों की सांठगांठ होने से शासन को करोडों की क्षति केवल रायल्टी के नाम पर पहुंचाई गई है। इस तरह का दावा कोई और नहीं बल्कि महालेखाकार की ऑडिट रिपोर्ट में किया गया है।**

निर्माण विभागों में सबसे अधिक घपला लोक निर्माण विभाग में हुआ है। जहां कार्यपालन यंत्रियों की लापरवाही के चलते ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया है। किंतु ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना और विभागीय स्तर पर समीक्षा न करना भी कई तरह के संदेहों को जन्म दे रहा है।

**क्या कहते हैं नियम और निर्देश:-** शासन का आदेश है कि ठेकेदार के अंतिम देयक का भुगतान तभी किया जायेगा जब वह खनिज विभाग जारी खनिज रायल्टी अदेयता प्रमाण प्रस्तुत करेगा। यदि ठेकेदार के द्वारा रायल्टी की राशि का भुगतान नहीं किया जाता अथवा विभागीय स्तर पर रायल्टी की कटौती नहीं की जाती है तो अंतिम देयक से रायल्टी की कटौती की जायेगी। खनिज विभाग द्वारा इस तरह के आदेश समय समय पर कई बार बार जारी किये गये और विभिन्न खनिजों के लिए रायल्टी दरों का निर्धारण भी किया गया। खनिज विभाग द्वारा मार्च 2018 में यह आदेश भी जारी किया गया था कि ठेकेदारों को खनिज विभाग के पोर्टल में स्वयं को पंजीकृत करना होगा और प्रत्येक चलित देयक के साथ देय रायल्टी के संबंध में अदेयता प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। किंतु लोग निर्माण विभाग की ऑडिट में पाया गया है कि शासन को प्राप्त होने वाली रायल्टी में व्यापक पैमाने पर क्षति पहुंचाई गई है।

# निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य प्रारंभ

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गत 27 अक्टूबर को निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में जारी कार्यक्रम अंतर्गत मंगलवार से मतदाता सत्यापन की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।**

बीएलओ द्वारा प्रत्येक विधानसभा के मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर गणना पत्रक का वितरण किया गया एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। पवई विधानसभा क्षेत्र में भी बीएलओ द्वारा एनुमेरेशन फॉर्म का वितरण किया गया। एसडीएम एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी समीक्षा जैन द्वारा भ्रमण कर बीएलओ द्वारा संपादित कार्यों का जायजा लिया गया।

साथ ही आम नागरिकों एवं मतदाताओं से बीएलओ को आवश्यक सहयोग की अपील भी की। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने मध्यप्रदेश सहित 12 राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने के संबंध में विशेष गहन पुनरीक्षण का निर्णय लिया है, जिसके तहत बीएलओ एवं अन्य अधिकारियों को पूर्व में आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

# आखिर जिले में क्यों हो रही है सूचना के अधिकारों की हत्या

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। सूचना के अधिकार को लेकर हर जगह भले ही ढिंढोरा पीटा जा रहा हो और बड़े बड़े अधिकारी जिलों में पहुंचकर अधिकारियों को दिशा निर्देश देकर चले जाते हों।**

इस विश्वास के साथ कि उनके आदेश निर्देशों का वहां पर पालन होगा, किंतु वही अधिकारी वरिष्ठ अधिकारियों को लेक्चर सुनने के बाद सब कुछ भूल जाते हैं। उन्हें सिर्फ इतना ही याद रहता है कि किसी भी सूरत में सूचना के अधिकार को महत्व नहीं देना है। जितना हो सके इसे कुचलों पारदर्शिता की परिभाषा को उल्टा कर दो यानि कि सूचना के अधिकारों की हत्या कर दो। इसलिए जब से सूचना के अधिकार लागू किये गये हैं तब से लेकर अब तक में आवेदन पत्रों की आवक ही शत प्रतिशत दर्ज नहीं हो पाई। कोई भी व्यक्ति ऐसी सूचना की जानकारी नहीं चाहता जिसे वह जानता है कि वह सही होगा अथवा उसमें कोई बहुत बड़ी गड़बड़ी नहीं है, बल्कि लोग वही जानकारी चाहते हैं कि जो गंभीर किस्म की होती है अथवा इस तरह की आशंकायें रहती है कि इन सूचनाओं की जनता की पहुंच से दूर किया जा रहा है। वहीं जानकारियां विभागों द्वारा दबाई जाती है। प्रयास किया जाता है कि यदि किसी तरह भी जानकारी आवेदक के हाथ लगे। यही कारण है कि इसके लिये प्रयास किये नहीं किया जाय इसलिए आवेदक को तरह तरह के बहाने करके परेशान किया जाता है हर कार्यालय में सूचना के अधिकार लागू हैं जहां सरकारी कामकाज होता है अथवा सरकारी योजना संचालित है। सिटिजन चार्टर लागू है किंतु कई जगह उसको सिर्फ सूचना बोर्ड तक ही सीमित रखा गया है। जबकि कई जगह तो सिटिजन चार्टर के बोर्ड इतने छोटे बनवाये गये है कि आफिसों के अंदर किसी कोने में पलट कर रख दिया गया है। अब सरकारी तंत्र से कौन लाठी चलाने जाये कि कौन उसका अधिकारी है जानकारी मांगना और वह सरकारी नौकरी होने के कारण जनता को वांछित जानकारी देने के लिये बाध्य है। यहां तक कि जिलों के कलेक्टर और संभाग के कमिश्नर जैसे पदों मे बैठने वाले अधिकारी भी इस मामले मे कभी मुंह खोलने की हिम्मत नहीं करते हर योजना की समीक्षा होती है। मानीटरिंग होती है केवल सूचना के अधिकार ही भर ऐसी बला है जिसमें कलेक्टर और कमिश्नर कभी समीक्षा की बातें नहीं करते, बल्कि जब कभी कोई भोपाल का अधिकारी औपचारिकता करने आता है तभी इस योजना को याद किया जाता है।

आखिर जनता को इस तरह के अधिकारों के मामले मे कब तक गुमराह किया जाता रहेगा।

# खून की प्यासी सड़कें, हर तीसरे दिन एक की मौत, बेपरवाह बना प्रशासन

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। जिले की खस्ताहाल सड़कें इंसानों के खून की प्यासी हो गई है।**

औसतन हर तीसरे दिन एक व्यक्ति की मौत हो रही है और कई घायल हो रहे है। खस्ताहाल सड़कें, टूटी घाटियां जैसे कई कारण है जिससे आए दिन हादसे हो रहे है। जिले में दर्जनों ऐसे प्वाइंट है जहां आए दिन हादसे होते रहते है। पुलिस ने हादसों को ध्यान में रखते हुए करीब आधा सैकड़ा प्वाइंट चिन्हित किए है जहां अक्सर हादसे हो रहे है।

**सबसे अधिक सड़क हादसे मोहनगढ़ी के पास और भैरोटेक घाटी में:-** बीते साल जिलेभर मे हुए सड़क हादसों में 115 लोगों ने जान गवाई है। औसतन हर तीसरे दिन सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो रही है। घायल होने वालो का औसत इससे कही अधिक है। पन्ना जैसे छोटे जिले में सड़क हादसों में इतने अधिक लोगों का मारा जाना गंभीर बात है इसी को ध्यान में रखते हुए जिलेभर में 50 ऐसे स्थान चिन्हित किए गए है जहां पर तीन से अधिक हादसे हुए है या फिर आए दिन हादसे होते रहते है। सबसे अधिक हादसे मोहनगढ़ी के पास और भैरोटेक घाटी मे होते है इन स्थानों पर हादसों के कारणों का अध्ययन कर संबंधित विभाग को स्थिति में सुधार लाने के लिए लिखा जाएगा।

# जनसुनवाई में आए 35 आवेदन

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में 35 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और तत्परता से समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए।**

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर ऊषा परमार ने जनसुनवाई की और प्रत्येक आवेदनों पर समय सीमा में निराकरण के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जिला कलेक्टर ने जनसुनवाई में पहुंचे सभी आवेदकों की समस्याएं सुनकर निराकरण किया। जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के शहरी एवं ग्रामीण स्थानों से पहुंचे आवेदकों ने विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन दिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे एवं संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज जनसुनवाई हुई।

## क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन आज

**पन्ना 4 नवंबर।** स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 69वीं राज्य स्तरीय शालेय खो-खो क्रीड़ा प्रतियोगिता का पॉलिटेक्निक ग्राउण्ड पन्ना में बुधवार, 5 नवम्बर को सुबह 11 बजे समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस अवसर पर संबंधितजनों से उपस्थिति की अपील की गई है।

# कार्तिक पूर्णिमा आज, स्नान, दान व व तप से मिलेगा मोक्ष

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। हिंदू पंचांग के अनुसार साल का आठवां महीना कार्तिक महीना होता है। कार्तिक पूर्णिमा कहलाती है। प्रत्येक वर्ष पंद्रह पूर्णिमाएं होती हैं जब अधिकमास या मलमास आता है तब इनकी संख्या बढ़कर सोलह हो जाती है सृष्टि के आरंभ से ही यह तिथि बडी ही खास रही है।**

पुराणों में इस दिन स्नान, व्रत व तप की दृष्टि से मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है। इसका महत्व सिर्फ वैष्णव भक्तों के लिए ही नहीं शैव भक्तों और सिख धर्म के लिए भी बहुत ज्यादा है। विष्णु के भक्तों के लिए यह दिन इसलिए खास है क्योंकि भगवान विष्णु का पहला अवतार इसी दिन हुआ था प्रथम अवतार में भगवान विष्णु मत्स्य यानी मछली के रूप में थे। भगवान को यह अवतार वेदों की रक्षा, प्रलय के अंत तक सप्तऋषियों, अनाजों एवं राजा सत्यव्रत की रक्षा के लिए लेना पड़ा था। इससे सृष्टि का निर्माण कार्य फिर से आसान हुआ। शिव भक्तों के अनुसार इसी दिन भगवान भोलेनाथ ने त्रिपुरासुर नामक महाभयानक असुर का संहार कर दिया।

जिससे वह त्रिपुरारी के रूप में पूजित हुए। इससे देवगण बहुत प्रसन्न हुए और भगवान विष्णु ने शिव जी को त्रिपुरारी नाम दिया, जो शिव के अनेक नामों में से एक है। इसलिए इसे त्रिपुरी पूर्णिमा भी कहते हैं। इसी तरह सिख धर्म में कार्तिक पूर्णिमा के दिन को प्रकाशोत्सव के रूप में मनाया जाता है। क्योंकि इसी दिन सिख सम्प्रदाय के संस्थापक गुरू नानक देव का जन्म हुआ था। इस दिन सिख सम्प्रदाय के अनुयाई सुबह स्नान कर गुरूद्वारों में जाकर गुरूवाणी सुनते हैं और नानक जी के बताए रास्ते पर चलने की सौगंध लेते हैं।

ऐसा भी माना जाता है कि इस दिन कृतिका में शिव शंकर के दर्शन करने से सात जन्म तक व्यक्ति ज्ञानी और धनवान होता है। इस दिन चंद्र जब आकाश में उदित हो रहा हो उस समय शिवा, संभूति, संतति, प्रीति, अनुसूया और क्षमा इन छह कृतिकाओं का पूजन करने से शिव जी की प्रसन्नता प्राप्त होती है।

## बीएलओ के सहयोग के लिए करें दल का गठन

**पन्ना 4 नवंबर।** अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मधुवंतराव धुर्वे ने समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दृष्टिगत घर-घर जाकर मतदाता सूची के सर्वे के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। बताया गया है कि बीएलओ द्वारा डोर-टू-डोर संपर्क कर ईएफ का विरतण किया जाएगा। इसलिए बीएलओ के सहयोग के लिए संबंधित पटवारी सहित ग्राम पंचायत सचिव या नगरीय निकाय के वार्ड प्रभारी, ग्राम रोजगार सहायक तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अथवा सहायिका के दल का गठन करें।

# कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने की अपील

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऊषा परमार ने जिलेवासियों से अपील की है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बूथ लेवल अधिकारियों के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आपकी मांगी गई जानकारी को प्रदान करें, जिससे भारत निर्वाचन आयोग के कार्य को पूरा किया जा सके।**

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती परमार ने कहा कि आयोग के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें आपके समक्ष बूथ लेवल अधिकारी घर घर पहुंच कर आवश्यक जानकारी प्राप्त करेगा और गणना पत्र को पूर्ण करने का कार्य भी करेगा। इस गणना पत्रक को पूर्ण करने में पूरा सहयोग करें, जिससे कि निर्वाचन आयोग का कार्य समय सीमा में पूर्ण हो सके।

उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में 2003 एवं 2025 की मतदाता सूची के संबंध में जानकारी मांगी जाएगी एवं बूथ लेवल अधिकारी के द्वारा आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी तथा गणना पत्रक भी प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें आवश्यक जानकारी की पूर्ति कर एवं हस्ताक्षर कर बूथ लेवल अधिकारी को वापस करना होगा।

## अवैध रूप से उर्वरकों के भण्डारण और वितरण पर की कार्रवाई

**पन्ना 4 नवंबर।** किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा उर्वरक गुण नियंत्रण अभियान के तहत जिले में अवैध रूप से उर्वरकों के भण्डारण व वितरण की जांच के निर्देशों के परिपालन में कार्यवाही की गई है। एक शिकायतकर्ता द्वारा अजयगढ़ विकासखंड के बनहरीकला में उर्वरक के अवैध भण्डारण के संबंध मे सूचित किया गया था। इस पर सहायक संचालक उत्तम सिंह बागरी के नेतृत्व में जांच दल गठित कर छापामार कार्यवाही की गई और जांच दल द्वारा मौके पर तत्काल जांच करते हुए उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत आवश्यक कार्यवाही कर गीता शिवहरे के निज निवास में 64 बोरी यूरिया और 13 बोरी एनपीके उर्वरक का अवैध भण्डारण पाए जाने पर जप्ती की गई।

# घर-घर मतदाता सत्यापन अभियान में नागरिकों से सहयोग की अपील

नवभारत न्यूज

**पन्ना 4 नवंबर। निर्वाचन आयोग द्वारा मप्र में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन किया जाएगा। इस अवधि में प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं के निवास पर जाकर उनके नाम, पता, आयु एवं अन्य विवरणों का भौतिक सत्यापन करेंगे।**

निर्वाचन आयोग द्वारा सभी नागरिकों से इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी एवं पूर्ण सहयोग का आग्रह किया गया है। मतदाताओं से अपील की गई है कि जब बीएलओ आपके घर आएं, तो उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करें। बीएलओ के पास पहले से मतदाता सूची 2025 के विवरण के अनुसार आपके नाम, पता और ईपिक नंबर सहित प्री-प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म होगा। नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस फॉर्म में भरी गई जानकारी को ध्यानपूर्वक जांचें तथा पुष्टि करें। जिन परिवारों में कोई नया सदस्य एक जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है, उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए बीएलओ द्वारा फॉर्म-6 उपलब्ध कराया जाएगा। यदि किसी परिवार सदस्य का निधन हो गया हो या वह अन्यत्र स्थानांतरित हो गया हो, तो उसकी जानकारी भी बीएलओ को दें ताकि सूची से नाम विलोपित किया जा सके। यह ध्यान देने योग्य है कि घर-घर सर्वेक्षण के दौरान बीएलओ कोई भी दस्तावेज़ एकत्र नहीं करेगा। दस्तावेज केवल तभी आवश्यक होंगे, जब किसी प्रविष्टि का सत्यापन पूर्ववर्ती रिकॉर्ड से मेल न खाए। ऐसी स्थिति में संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अलग से सूचना देकर आवश्यक दस्तावेज मांगेगा।

बीएलओ आयोग द्वारा अधिकृत पहचान पत्र लेकर आएंगे। इसलिए नागरिक उनसे पहचान पत्र देखकर जानकारी साझा करें। घर-घर सत्यापन के बाद 9 दिसम्बर को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। नागरिक 9 दिसम्बर से 8 जनवरी तक अपने नाम संबंधी दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी को किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि जब बीएलओ आपके घर पहुंचे, तो सटीक एवं अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएं। यह अभियान मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता और समावेशिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नागरिकों के सहयोग से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में सम्मिलित हो तथा कोई अपात्र प्रविष्टि मतदाता सूची में न रहे।